

ब्रिक्स सम्मेलन से पहले पीएम
मोदी का संदेश: बोले-

वैश्विक मुद्दों पर होगी सकारात्मक चर्चाएं; क्या है एजेंडा?



नई दिल्ली, (एजेंसी) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि अगले कुछ दिनों में दुनिया के कई देशों के नेता ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए नई दिल्ली में जुटेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस उच्चस्तरीय बैठक में दुनिया के कल्याण को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग वैश्विक मुद्दों पर सकारात्मक और सार्थक चर्चा होगी। पीएम मोदी ने यह बात शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट के जरिए कही। उन्होंने अपने संदेश के साथ संस्कृत का एक श्लोक भी साझा किया।

सद्भिरेव सहासीत सद्भिः कुर्वीत सद्भितम्।
सद्भिर्विवादं मैत्रीं च नासद्भिः किंचिदाचरेत्॥
इसका भाव यह है कि व्यक्ति को हमेशा अच्छे और गुणी लोगों के बीच रहना चाहिए और उनकी संगति करना चाहिए। साथ ही, अच्छे लोगों के साथ संवाद और मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखने चाहिए, क्योंकि आपसी सद्भाव, बातचीत और मित्रता से शांति और सहयोग मजबूत होता है।

भारत में कब और कहा होगा ब्रिक्स शिखर सम्मेलन?

भारत इस साल ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है और इसी के तहत 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन नई दिल्ली में 12 और 13 सितंबर को आयोजित होगा। बैठक में ब्रिक्स के सदस्य और साझेदार देशों के नेता शामिल होंगे। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, शिखर सम्मेलन में नेता ब्रिक्स के भीतर सहयोग को मजबूत करने से जुड़े साझा मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। इसके अलावा वैश्विक और क्षेत्रीय स्तर के उन मामलों पर भी चर्चा होगी, जिनमें सभी देशों की साझा दिलचस्पी है। यानी बैठक का फोकस सिर्फ ब्रिक्स देशों के आपसी सहयोग तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि व्यापक वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों की चर्चा के केंद्र में रहेंगे। 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है। भारत 2026 में ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है।

ब्रिक्स बैठक में किन मुद्दों पर चर्चा होगी?

विदेश मंत्रालय के अनुसार, शिखर सम्मेलन में ब्रिक्स देशों के बीच साझा प्राथमिकताओं पर सहयोग बढ़ाने को लेकर चर्चा होगी। सदस्य देश और अन्य आमंत्रित प्रतिनिधि वैश्विक तथा क्षेत्रीय मामलों पर भी अपने विचार साझा करेंगे। इन मुद्दों को लेकर देशों के बीच आपसी महत्व के विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

भंडारा जिले में ट्रक और कार की जोरदार टक्कर; तीन बच्चों समेत आठ लोगों की मौत

...तो इसलिए नाराज हैं उज्जैन में बजरंगबली! नए मंदिर में जाते ही हो जाएंगे उत्तरमुखी

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन, एजेंसी। महाकाल की नगरी उज्जैन में इन दिनों का एक खड़े हनुमान जी के मंदिर की चर्चा देशभर में हो रही है। पिछले कुछ दिनों से लगातार यहां श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती जा रही है। मंगलवार या शनिवार ही नहीं, बल्कि सामान्य दिनों में भी यहां सुबह से शाम तक लोग दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। आज तक उस जगह पहुंचा जहां खड़े हनुमान को स्थापित करने की तैयारी है। श्रद्धालुओं ने बताया कि मौजूदा स्थान पर हनुमान जी दक्षिणमुखी हैं, जबकि टंकी चौक पर जिस नए मंदिर का ढांचा तैयार किया जा रहा है, वहां प्रतिमा की स्थापना होने पर उनका मुख उत्तर दिशा की ओर हो जाएगा। शायद यही वजह है कि हनुमान जी नाराज चल रहे हैं।



सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के बीच उज्जैन में कई सड़कों और प्रमुख मार्गों के विस्तार का काम प्रस्तावित है। इसी क्रम में कंठाल से छत्री चौक तक सड़क

चौड़ीकरण की योजना है। खड़े हनुमान जी का मंदिर इसी प्रस्तावित मार्ग में आ रहा है। प्रशासन की योजना के मुताबिक प्रतिमा को वर्तमान स्थान से हटाकर टंकी

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535
*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 12 अंक : 50

इंदौर, शुक्रवार 11 सितंबर, 2026

पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

मध्यप्रदेश में 15 हजार से ज्यादा हाईटेक पब्लिक ट्रांसपोर्ट बसें चलाने की तैयारी

मोहन सरकार का खास प्लान

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश में 2030 तक मोबिलिटी विजन के साथ सुदूर इलाकों में भी परिवहन नेटवर्क खड़ा करने का टारगेट है। इसमें पूरे प्रदेश में 15 हजार से ज्यादा आधुनिक सार्वजनिक बसें चलाई जाएंगी। लक्ष्य ये है कि इनके जरिए हर दिन करीब 30 लाख से ज्यादा यात्रियों के सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके। इसके अलावा प्रदेश के 180 से ज्यादा आधुनिक बस स्टैंड्स टर्मिनल्स और डिपो बदले जाएंगे। मध्यप्रदेश की 75 प्रतिशत ग्राम पंचायतों को बस सेवा से जोड़कर ग्रामीण कनेक्टिविटी भी बढ़ाई जाएगी।

मध्यप्रदेश में करीब 15 हजार बसें शुरू होंगी, 30 लाख यात्रियों का फायदा

मध्यप्रदेश यात्री परिवहन एवं अधोसंरचना लिमिटेड अंतर्गत 'मोबिलिटी विजन: 2030' का लक्ष्य प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों तक परिवहन नेटवर्क का विस्तार करना है। इसके अंतर्गत प्रदेश में 15,000 से अधिक



आधुनिक सार्वजनिक बसें संचालित की जाएंगी। इससे प्रतिदिन 30 लाख से ज्यादा यात्रियों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा प्रदान की जाएगी। साथ ही 180 से अधिक आधुनिक बस स्टैंड्स, टर्मिनल्स और डिपो का कायाकल्प किया जाएगा।

बसों में 7 सीसीटीवी कैमरे, रियल टाइम ट्रैकिंग

सभी बसों को 7 सीसीटीवी कैमरों, पैनिंग बटन और रियल-टाइम व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग सिस्टम से लैस किया जा रहा है। इसके अलावा, पैसेंजर इंफॉर्मेशन सिस्टम, ड्राइवरों की तकनीकी ट्रेनिंग और त्वरित शिकायत

निवारण तंत्र के जरिए सुरक्षित एवं समयबद्ध यात्रा सुनिश्चित की जाएगी।

कार्बन उत्सर्जन भी होगा कम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया, " पर्यावरण संरक्षण और कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के उद्देश्य से समिट में स्वच्छ ईंधन और इलेक्ट्रिक बसों के विस्तार पर विशेष जोर दिया जाएगा। वर्तमान में 96 पीएम ई-बसें और 120 इंटरसिटी बसें प्रदेश में संचालित हैं। इसके साथ आगामी 6 महीनों में 486 पीएम ई-बसें और 34 इंटरसिटी बसें जोड़ी जाएंगी, जबकि वर्ष 2027 तक यह संख्या

बढ़ाकर 1,100 करने का टारगेट है। प्रदेश में 100 बसों की क्षमता वाले आधुनिक चार्जिंग डिपो और सोलर इन्फ्रास्ट्रक्चर भी तैयार किए जा रहे हैं। इससे सालाना 70,000 टन से अधिक कार्बन डाईऑक्साइड के उत्सर्जन में कमी आएगी।"

यात्री सुरक्षा और स्मार्ट तकनीकों पर फोकस

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा अंतर्गत संचालित होने वाली सभी बसों की निगरानी ईटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से की जाएगी। इसके लिए मध्यप्रदेश यात्री परिवहन एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड व उसकी 7 सहायक कंपनियों में अत्याधुनिक कमांड-कंट्रोल सेंटर स्थापित किए जाएंगे। इन सेंटरों से बसों के संचालन, लोकेशन, टाइमिंग एवं अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियों की रियल टाइम निगरानी सुनिश्चित की जाएगी। इसके साथ ही सार्वजनिक बसों में महिला और बाल सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। इससे यात्री परिवहन व्यवस्था अधिक सुरक्षित, सुगम, पारदर्शी और प्रभावी बनाने में भी मदद मिलेगी।

चौक के पास नए स्थान पर स्थापित किया जाना है। इसके लिए नए मंदिर का ढांचा भी तैयार कर दिया गया है। यहां तैयारियां लगभग पूरी नजर आ रही हैं। बताया जा रहा है कि जन्माष्टमी के आसपास प्रतिमा को नए मंदिर में स्थापित करने की तैयारी थी। मंदिर को फूलों से सजाया भी गया था। लेकिन जिस प्रतिमा को नई जगह ले जाने की तैयारी थी, वह अपनी जगह से हिली ही नहीं।

श्रद्धालुओं के बीच अब सबसे ज्यादा चर्चा इसी बात की है कि नई जगह पर हनुमान जी की दिशा बदल जाएगी। मौजूदा मंदिर में प्रतिमा का मुख दक्षिण दिशा की ओर है। प्रस्तावित नए मंदिर में जिस तरह से स्थान और स्थापना की तैयारी है, उसके मुताबिक प्रतिमा का मुख उत्तर दिशा की

ओर हो जाएगा। श्रद्धालुओं का एक वर्ग इसे स्वीकार करने को तैयार नहीं है। मंदिर पहुंचने लोगों का कहना है कि जब भगवान को उसी रूप और उसी दिशा में यहां पूजा जाता रहा है तो स्थान बदलने के साथ उनकी दिशा क्यों बदली जाए?

खड़े हनुमान मंदिर के स्थानीय श्रद्धालु इसे सामान्य मंदिर नहीं मानते। उनके बीच इस मंदिर को लेकर कई तरह की मान्यताएं हैं। लोगों का कहना है कि यहां हनुमान जी की पूजा करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं। मंदिर से मिलने वाले ताबीज और झड़नी को लेकर भी श्रद्धालुओं में अलग-अलग मान्यताएं हैं। कई लोग दावा करते हैं कि इनके इस्तेमाल से उन्हें अलग-अलग परेशानियों और बीमारियों में राहत मिली।

शास्त्री ब्रिज के पुनर्निर्माण की बड़ी पहल, पहले बनेगा नया समानांतर ब्रिज : सांसद शंकर लालवानी

सिंहस्थ-2028 के पूर्व इंदौर में नया ब्रिज बनाए जाने का पूरा प्रयास, इसके बाद पुराने शास्त्री ब्रिज को तोड़ा जाएगा

● लगभग 175 करोड़ रुपये की लागत से होगा निर्माण, इंदौर विकास प्राधिकरण निर्माण करने का प्रस्ताव है

● डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नम्र)

इंदौर। शहर के प्रमुख शास्त्री ब्रिज के पुनर्निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए पुराने शास्त्री ब्रिज को तोड़ने से पहले उसके समानांतर नया ब्रिज बनाया जाएगा। इससे निर्माण के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहेगी और नागरिकों को आवागमन में परेशानी नहीं होगी।

सांसद श्री शंकर लालवानी की लगातार पहल और प्रयासों के परिणामस्वरूप शास्त्री ब्रिज के पुनर्निर्माण की प्रक्रिया को गति मिली है। सांसद श्री लालवानी द्वारा इंदौर की प्रमुख अधोसंरचनाओं को मजबूत करने और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने को लेकर लगातार संबंधित विभागों के साथ चर्चा की जा रही है।

शास्त्री ब्रिज का निर्माण कार्य दो चरणों में किया जाएगा। पहले चरण में



वर्तमान ब्रिज के समानांतर नया ब्रिज बनाया जाएगा। योजना के अनुसार नए समानांतर ब्रिज को सिंहस्थ-2028 से पहले यातायात के लिए उपलब्ध कराने का पूरा प्रयास किया जाएगा। नया ब्रिज शुरू होने के बाद पुराने शास्त्री ब्रिज को तोड़ा जाएगा तथा दूसरे चरण में शेष निर्माण कार्य किया जाएगा। नए ब्रिज की ऊंचाई वर्तमान शास्त्री ब्रिज की तुलना में अधिक रखी जाएगी, जिससे भविष्य की यातायात आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बेहतर और आधुनिक सुविधा उपलब्ध हो सके।

बैठक में शास्त्री ब्रिज के पुनर्निर्माण

एवं संबंधित विकास कार्य पर प्रारंभिक अनुमान के अनुसार लगभग 175 करोड़ रुपये की लागत आएगी। यह परियोजना इंदौर के यातायात और अधोसंरचना के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी। प्रस्तावित ब्रिज का एक छोर संभागायुक्त कार्यालय क्षेत्र से प्रारंभ होकर रीगल टॉकीज की ओर रहेगा।

शास्त्री ब्रिज के निर्माण का प्रस्ताव इंदौर विकास प्राधिकरण (IDA) को दिया गया है। आईडीए के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. परीक्षित संजय राव झाड़े ने सर्वे एंजेंसी को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए सर्वे का कार्य तत्काल प्रारंभ करने

के निर्देश दिए हैं। सर्वे के आधार पर ब्रिज के एलाइनमेंट, संरचना, ऊंचाई, चौड़ाई, यातायात प्रबंधन सहित अन्य तकनीकी पहलुओं को अंतिम रूप दिया जाएगा।

शास्त्री ब्रिज परियोजना के अंतर्गत आने वाले रेलवे हिस्से के कार्य का सुपरविजन रेलवे विभाग द्वारा किया जाएगा, जबकि ब्रिज के निर्माण का कार्य इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा किया जाएगा। इससे रेलवे क्षेत्र से जुड़े तकनीकी एवं सुरक्षा मानकों का समुचित पालन सुनिश्चित किया जा सकेगा।

बैठक में सिंहस्थ-2028 को देखते हुए इंदौर में यातायात और आधारभूत

संरचनाओं को मजबूत करना प्राथमिकता है। शास्त्री ब्रिज शहर के प्रमुख मार्गों में शामिल है और प्रतिदिन बड़ी संख्या में नागरिक इसका उपयोग करते हैं। इसी कारण पुराने ब्रिज को पहले तोड़ने के बजाय पहले समानांतर नया ब्रिज तैयार करने की योजना बनाई गई है। इससे निर्माण अवधि में यातायात के लिए वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध रहेगी और नागरिकों को अनावश्यक परेशानी से बचाया जा सकेगा।

सांसद श्री शंकर लालवानी ने कहा कि सिंहस्थ-2028 से पहले नया शास्त्री ब्रिज तैयार कर नागरिकों के लिए उपलब्ध कराने का पूरा प्रयास रहेगा। उन्होंने कहा कि इंदौर की अधोसंरचना को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप विकसित करना हमारी प्राथमिकता है। शास्त्री ब्रिज का आधुनिक स्वरूप में पुनर्निर्माण इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

नया ब्रिज शहर की बढ़ती यातायात आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ ही आवागमन को अधिक सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बैठक में रेलवे मंडल से श्री अंकुर कुमार सिंह, श्री राहुल चौधरी, श्री मुकेश रघुवंशी, श्री शक्ति सापुतार, श्री अभिषेक सिंह सहित इंदौर विकास प्राधिकरण से श्री कपिल भल्ला उपस्थित रहे।

देवी अहिल्या की 231वीं पुण्यतिथि मनाई



● डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नम्र)

इंदौर। गुरुवार को देवी अहिल्या की 231वीं पुण्यतिथि मनाई गई। इस मौके पर गांधी हॉल से राजवाड़ा तक देवी अहिल्या की पालकी निकली। शहरवासियों ने पालकी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। पालकी का स्वागत करने के लिए जगह-जगह स्वागत मंच भी लगाए गए थे। इस मौके पर विद्वत धर्मसभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष धनंजय शास्त्री वैद्य ने कहा कि नाम लेने से पुण्य की प्राप्ति होती है, वे ही पुण्यश्लोका कहलाती हैं। समर्थ गुरु रामदास ने कहा है कि जो देश का, धर्म का, राष्ट्र का कार्य मनोभाव से करते हैं, वे साक्षात् देव अवतार होते हैं।

शास्त्री ने आगे कहा कि देवी अहिल्या बाई ने ही सर्वप्रथम महिलाओं की शिक्षा के बारे में सोचा था और अपने राज्य की महिलाओं की शिक्षा के लिए, उन्हें आत्मनिर्भर

बनाने और संस्कारित करने के लिए योगदान दिया। सिर्फ इंदौर ही नहीं, पूरे देश में उनकी यशोभाषा गाई जाती है। देशभर में बनाए गए मंदिर, घाट और धर्मशालाएं उनकी कीर्ति आज भी गी रही हैं। समारोह के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल थे। उन्होंने कहा कि देवी अहिल्या की नेतृत्व क्षमता और दक्षता का अंदाज इसी बात से लगाया जा सकता है कि उनके कार्य और नेतृत्व को याद करते हुए हम उनकी जयंती और पुण्यतिथि उत्सव के रूप में मनाते हैं। समारोह में जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट, महापौर पुण्यमित्र भार्गव भी उपस्थित थे। इस अवसर पर गुणीजन सम्मान से ग्रामीण क्षेत्र में कार्य करने वाले प्रसिद्ध शिक्षक हेमचंद्र जोशी को सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे समर्पित शिक्षकों की आज बहुत जरूरत है।

शिवाजी के हाथ की तलवार टूटी



● डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नम्र)

इंदौर। व्हाइट चर्च चौराहा पर स्थापित शिवाजी प्रतिमा की तलवार गुरुवार को टूटी मिली। समाजजनों को इसकी जानकारी मिली तो वे मौके पर पहुंचे। उन्होंने आशंका जताई कि किसी ने तलवार को नुकसान पहुंचाया है। इसके बाद समाज के लोग थाने पहुंचे और अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कराया। पुलिस अब मामले की जांच कर रही है। चौराहे के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि बदमाशों का पता लगाया जा सके। शिवाजी प्रतिमा की तलवार किसी ने तोड़ दी है। धातु की यह तलवार काफी वजनी है। उसे तोड़कर ले जाने के प्रयास की आशंका मराठा संगठन से जुड़े लोगों ने जताई है। क्षत्रिय मराठा नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष चंद्र कुंजीर को तलवार तोड़े जाने की जानकारी मिली। वे समाजजनों के साथ पहले प्रतिमा स्थल पहुंचे। इसके बाद वे संगोष्ठीगत थाने गए और अफसरों से कहा कि छत्रपति शिवाजी की तलवार और घोड़े का पट्टा टूटा है। किसी ने जानबूझकर प्रतिमा को क्षतिग्रस्त किया है।

शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में अहिल्या उत्सव आयोजित छात्राओं को अहिल्याबाई होलकर के जीवन से न्यायप्रियता, करुणा, सेवा और राष्ट्र समर्पण की प्रेरणा लेने हेतु किया प्रेरित

● डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नम्र)

इंदौर। शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय किला भवन इंदौर में आज 10 सितंबर 2026 को अहिल्या उत्सव का आयोजन श्रद्धा एवं गरिमापूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर के जीवन, व्यक्तित्व, कृतित्व, लोककल्याणकारी कार्यों तथा सुशासन की परंपरा से छात्राओं को परिचित कराना था। कार्यक्रम में देवी अहिल्याबाई होलकर के जीवन संघर्ष, वक्ताओं ने उनके जीवन संघर्ष, न्यायप्रियता, प्रशासनिक कुशलता, धर्म-संस्कृति संरक्षण तथा जनकल्याण के लिए किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. बी.डी. श्रीवास्तव ने कहा कि देवी अहिल्याबाई होलकर भारतीय इतिहास में ऐसी आदर्श शासिका के रूप में प्रतिष्ठित हैं, जिन्होंने अपने शासनकाल में प्रजा के हित, न्याय, धर्म, संस्कृति एवं लोककल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उन्होंने अनंत विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य, साहस और प्रशासनिक कुशलता का परिचय देते हुए एक आदर्श शासन व्यवस्था स्थापित की। उनका जीवन यह संदेश देता



है कि नेतृत्व केवल सत्ता का संचालन नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व निभाने का माध्यम है। प्रो. प्रेरणा ठाकुर ने अहिल्याबाई होलकर द्वारा किए गए जनकल्याणकारी कार्यों, मंदिरों एवं तीर्थस्थलों के संरक्षण, धर्मशालाओं, छांटों, कुओं एवं जलस्रोतों के निर्माण तथा यात्रियों की सुविधा के लिए किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके कार्य आज भी लोकसेवा और सुशासन के आदर्श के रूप में स्मरण किए जाते हैं। उन्होंने समाज के विभिन्न वर्गों के कल्याण के लिए संवेदनशीलता एवं समानता की भावना के साथ कार्य किया। कार्यक्रम में विशेष रूप से महिला सशक्तीकरण एवं नेतृत्व के क्षेत्र में अहिल्याबाई होलकर की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। छात्राओं को बताया गया कि एक महिला शासक के रूप में उन्होंने अपने समय की सामाजिक एवं राजनीतिक परिस्थितियों के बीच

जिस साहस, दूरदर्शिता और निर्णय क्षमता का परिचय दिया, वह वर्तमान पीढ़ी के लिए भी प्रेरणादायी है। उनका जीवन छात्राओं को आत्मविश्वास, स्वावलंबन, कर्तव्यनिष्ठा और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूक करता है।

इस अवसर पर छात्राओं को अहिल्याबाई होलकर के जीवन से प्रेरणा लेते हुए न्यायप्रियता, करुणा, सेवा, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण जैसे मूल्यों को अपने जीवन में आत्मसात करने का संदेश दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई का जीवन भारतीय ज्ञान एवं संस्कृतिक परंपरा में निहित लोकमंगल की भावना का उत्कृष्ट उदाहरण है। अहिल्या उत्सव के माध्यम से छात्राओं को अपने गौरवशाली इतिहास एवं भारतीय संस्कृति से जोड़ने तथा महान विभूतियों के जीवन-मूल्यों को वर्तमान संदर्भ में समझने का अवसर प्राप्त हुआ।

33 साल प्लॉट का इंतजार और आज सब्र टूटा, आईडीए दफ्तर में घुसे रहवासी

⑨ डिटैक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नग)

इंदौर। इंदौर विकास प्राधिकरण की स्कीम 171 में अपने आशियाने का सपना देख रहे लगभग 6 हजार प्लॉट धारकों का इंतजार तीन दशक बीत जाने के बाद भी खत्म नहीं हुआ है। लंबे समय से परेशान रहवासियों ने इंदौर विकास प्राधिकरण कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया। आक्रोशित लोग कार्यालय के अंदर दाखिल हो गए और बोर्ड मीटिंग रूम में हनुमान चालीसा का पाठ शुरू कर दिया। इस दौरान जनप्रतिनिधि भी रहवासियों के समर्थन में पहुंचे और जल्द से जल्द कब्जा देने की मांग की।

शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंदू चौकसे और भाजपा विधायक महेंद्र हांडिया भी रहवासियों के साथ पहुंचे और अधिकारियों से इस विषय पर चर्चा की। इस दौरान



रहवासियों ने संभागायुक्त भास्कर लक्षकार और आईडीए सीईओ परीक्षित झाड़े को कड़े शब्दों में दी चेतावनी। कहा कि अब आशवासन नहीं चाहिए, निर्णय के बिना कोई चर्चा नहीं होगी। हमें जल्द अपने प्लॉट चाहिए।

रहवासियों का कहना है कि वे पिछले 33 वर्षों से अपने प्लॉट पर कब्जा पाने के लिए दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं। विकास प्राधिकरण ने तीन साल पहले विकास के नाम पर करोड़ों रुपये

जमा करवाए थे। दिसंबर 2024 में रहवासियों और सोसायटियों द्वारा करीब 5.89 करोड़ रुपये की राशि बतौर विकास शुल्क जमा कराई जा चुकी है, लेकिन इसके बावजूद आज तक जमीनों को योजना से मुक्त नहीं किया गया। स्कीम 171 के प्रदर्शन के दौरान एक पीड़ित प्लॉटधारक शक्तिज भास्कर अपने पिता को याद कर भावुक हो गए। आंखों में आंसू लिए शक्तिज ने बताया कि उनके ईमानदार पिता ने एक-एक पैसा

जोड़कर प्लॉट खरीदा था। जिंदगी के आखिरी पड़ाव तक अपने प्लॉट के लिए संघर्ष करते रहे। मृत्यु से पहले पिता ने बेटे से कहा था 'मेरी राख को इसी प्लॉट की नींव में डालना।' 33 साल बाद भी प्लॉट नहीं मिला तो बेटे की आंखों में पिता का वही सपना और दर्द छलक उठा। नियमों के मुताबिक यदि प्राधिकरण 10 वर्षों के भीतर किसी घोषित योजना में विकास कार्य पूरा नहीं करता है, तो जमीनों को योजना से डी-नोटिफाई करने का प्रावधान है। विकास कार्य न होने के कारण प्रभावित 13 गृह निर्माण सोसायटियों और कॉलोनियों के रहवासी न तो अपने प्लॉट पर निर्माण कर पा रहे हैं और न ही उन्हें बेच पा रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने अधिकारियों को कड़े शब्दों में चेतावनी दी है कि अब केवल आशवासन नहीं, बल्कि अंतिम निर्णय चाहिए।

माता-पिता के विरोध के बावजूद युवती बनेगी संन्यासी

● कोर्ट ने कहा - बालिंग को मर्जी से फैसला लेने का अधिकार

⑨ डिटैक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नग)

इंदौर। जैन धर्म से प्रभावित होकर इंदौर में 20 साल की युवती ने संन्यास लेने का फैसला लिया है, लेकिन माता-पिता नहीं चाहते हैं। मामला हाईकोर्ट पहुंचा तो कोर्ट ने कहा कि युवती बालिंग है। दीक्षा लेने का फैसला उसका धार्मिक व मौलिक अधिकार है। कोर्ट ने युवती की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भी कहा है।

इंदौर की युवती ने हाईकोर्ट में इस बारे में याचिका लगाई थी। इसमें उसने कहा था कि उसकी रुचि जैन धर्म में है और वह सांसारिक जीवन त्याग कर जैन साध्वी बनना चाहती है, लेकिन माता-पिता इसके लिए तैयार नहीं हैं। वे लगातार विरोध कर रहे हैं। याचिका में युवती ने कहा कि सामाजिक दबाव के कारण उसकी

धार्मिक स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है और वह अपनी मर्जी से धार्मिक जीवन जीना चाहती है। कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि युवती बालिंग है और उसे अपने जीवन का फैसला लेने का अधिकार है। ऐसा करने से उसे रोक नहीं जा सकता है। बालिंग को उसकी रुचि के अनुसार धर्म का पालन करने का अधिकार है और उसे इस अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने युवती के माता-पिता की भावनाओं के प्रति सहानुभूति भी जताई, लेकिन युवती के फैसले पर कहा कि उसके मौलिक व धार्मिक अधिकार की रक्षा पहले है। कोर्ट ने युवती से कहा कि वह जिस क्षेत्र में रहती है, वहां के थाने में सुरक्षा संबंधी आवेदन दे सकती है। पुलिस अधिकारियों को उसकी सुरक्षा को लेकर आवश्यक कदम उठाने होंगे।

ग्रीन बेल्ट को नुकसान पहुंचाया, 10 लाख का स्पोर्ट फाइन

⑨ डिटैक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नग)

इंदौर। जोन 8 के वार्ड 37 में नगर निगम के जोनल अधिकारी (ZO) और भवन अधिकारी (BO) ने जी+3 भवन के निर्माण के दौरान ग्रीन बेल्ट पर अतिक्रमण का मामला पकड़ा। गुरुवार को टीम ने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य रुकवाया और ग्रीन बेल्ट को नुकसान पहुंचाने पर 10 लाख रुपये का स्पोर्ट फाइन किया।

अपर आयुक्त प्रखर सिंह ने बताया कि जोन 8 में निर्माणधीन जी+3 भवन की जानकारी मिलने के बाद जोनल अधिकारी और भवन अधिकारी मौके पर पहुंचे थे। टीम ने निर्माण कार्य रुकवाया और भवन मालिक पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। निगम की ओर से मालिक को नोटिस भी जारी किया जा रहा है। अपर आयुक्त प्रखर सिंह ने बताया कि ग्रीन बेल्ट में निर्माण की अनुमति नहीं है। इसके बावजूद भवन मालिक ने ग्रीन बेल्ट की बाउंड्रीवॉल और



जाली फेंसिंग तोड़ दी थी। यहां लगे नए पौधों और पेड़ों को भी उखाड़ दिया गया था। इसके अलावा मकान निर्माण की सामग्री ग्रीन बेल्ट में डाल दी गई और चौकीदार के रहने के लिए अवैध झोपड़ी भी बना दी गई थी। अपर आयुक्त ने कहा कि ग्रीन बेल्ट और सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी तरह का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मामले में आगे भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि ग्रीन बेल्ट पर

इस तरह की कार्रवाई फिलहाल पहली बार की गई है। जनकार्य प्रभारी और एमआईसी मंत्री राजेंद्र राठौर को मामले की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने जोन और उद्यान विभाग की टीम को मौके पर भेजा था। बॉम्बे हॉस्पिटल से निपानिया के बीच ग्रीन बेल्ट की बाउंड्रीवॉल और जाली फेंसिंग तोड़ने तथा पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने पर कार्रवाई की गई। प्लॉट मालिक मित्तल ग्वालिंजर के रहने वाले हैं।

होटल में महिला की संदिग्ध मौत, साथ आया युवक फरार

⑨ डिटैक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नग)

इंदौर। एकल नगर थाना क्षेत्र स्थित एलएक्स होटल में गुरुवार दोपहर 32 वर्षीय सोनली शर्मा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सोनली एक युवक दीपक खंडेलवाल के साथ होटल पहुंची थी। कुछ देर बाद दीपक ने होटल कर्मचारियों को उसकी तबीयत

खराब होने की जानकारी दी और उसे अश्वत अस्पताल ले गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इसके बाद दीपक वहां से चला गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार सोनली सुंदर नगर में रहती थी और पिंक सिटी पार्लर में ब्यूटीशियन थी। गुरुवार को वह

परिवार से पार्लर जाने की बात कहकर निकली थी। होटल के कमरे में वह बिस्तर पर मिली और उसके मुंह से झाग निकल रहा था। प्रारंभिक तौर पर जहरीला पदार्थ खाने की आशंका जताई जा रही है, लेकिन मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद स्पष्ट होगा।

सड़कों पर उतरी 'पापा की परी' सीख रही ट्रेफिक के नियम

⑨ डिटैक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नग)

इंदौर। खूबसूरत सड़कों और शहर के विभिन्न क्षेत्रों में हाल ही में प्रोजेक्ट 'पापा की परी' की शूटिंग हुई है। यह प्रोजेक्ट मनोरंजन के साथ-साथ यातायात नियमों के प्रति जागरूकता का संदेश भी अपने अनूठे अंदाज में देने जा रहा है। पापा की परी प्रोजेक्ट के एक्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर एवं अभिनेता शक्तिज पंवार बताते हैं कि इस गीत को मनोरंजन और हास्य के साथ इस तरह प्रस्तुत किया गया है, ताकि आज की 'पापा की परी' और 'मम्मी के शहजादे' के साथ-साथ उनके माता-पिता भी यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक हों। इंदौर के शक्तिज पंवार मुंबई में स्थापित अभिनेता हैं और पिछले कई वर्षों से बॉलीवुड एवं विज्ञापन जगत

में सक्रिय हैं, लेकिन इंदौर और आसपास के स्थानीय कलाकारों को बेहतर मंच और अवसर देने के उद्देश्य से उन्होंने इस प्रोजेक्ट की शूटिंग के लिए इंदौर को ही चुना। इस प्रोजेक्ट को मुंबई के Everybody's production प्रोड्यूसर एव इंदौर के OIC स्टूडियो के तत्वाधान में बनाया जा रहा है, जिसमें इंदौर प्रशासन व यातायात विभाग का सहयोग रहा। शक्तिज का मानना है कि मनोरंजन के माध्यम से दिया गया यह संदेश, माता पिता द्वारा बच्चों को यातायात के नियमों को पालन करने के लिए सचेत करेगा, इंदौर के विभिन्न क्षेत्रों में हुए इस शूट में मुख्य कलाकार शक्तिज पंवार, त्रिशा सेनी, सोनिया मालवीय, ऋषभ राज और सागर शिंदे सहित लगभग 35 कलाकारों ने अपना योगदान दिया।

Confidential Investigation & all type of Detective services



प्रतिस्पर्धा का समर्थ है।

स्वार्थियों, घर के भेदियों से भ्रम गया है समाज।

सावधान रहना है सब से।

जिगाह रसखती है लोगों पर, घटनाओं पर, वातावरण पर
कहीं ऐसा तो नहीं...

कोई साँप आस्तीन में छुपा हो?

फूलों की सेज पर कुछ काँट हों?

व्यक्तिगत/व्यापारिक जीवन में कोई छिद्र हो?

इस प्रकार की सभी व्यक्तिगत, व्यापारिक, राजनैतिक, कानूनी,
सभी प्रकार के इन्वेस्टीगेशन कार्य... सबूत/प्रमाण हेतु
मदद के लिये तैयार... कभी भी... कहीं भी...

कह... कहीं... कहाँ... कैसे...!



पूर्ण गोपनीयता... पूर्ण विश्वसनीयता
www.detectivegroup.in

9826044334

9826044334

7312433667

“संपूर्ण विश्व हमारी सीमा में है”

एमपी के नए चीफ जस्टिस ने ली शपथ

गोधरा दंगा मामलों में रहे विशेष लोक अभियोजक

डिटिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने जस्टिस अल्पेश यशवंत कोगजे को गुरुवार को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के 30 वें मुख्य न्यायाधीशपद को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। कोगजे गुजरात हाईकोर्ट के न्यायाधीश रह चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 31 अगस्त 2026 को उन्हें मध्यप्रदेश हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाए जाने की सिफारिश की थी। केंद्र सरकार की मंजूरी के बाद अब उन्होंने पद संभाल लिया है। शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन गुरुवार को लोकभवन के सौंदर्यीन सभागार में किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी उपस्थित रहे। मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल ने शपथ ग्रहण समारोह का संवादन किया। उन्होंने राष्ट्रपति द्वारा मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीशपद न्यायमूर्ति अल्पेश यशवंत कोगजे को नियुक्त किए जाने की अधिसूचना का वाचन किया। समारोह का प्रारंभ और समापन राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् तथा राष्ट्र गान जन-गण-मन के गायन के साथ हुआ।

जस्टिस कोगजे का जन्म 16



जुलाई 1969 को गुजरात के कोडिनार में हुआ और उनका पालन-पोषण वडोदरा में हुआ। उन्होंने 1990 में बीएससी (केमिस्ट्री) की पढ़ाई पूरी की और 1993 में महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा से एलएलबी की डिग्री हासिल की। इसी साल उन्होंने वकालत शुरू की।

वकालत के दौरान जस्टिस कोगजे ने सरकारी पक्ष से जुड़े कई महत्वपूर्ण दायित्व संभाले। वर्ष 2001 में उन्हें असिस्टेंट गवर्नमेंट प्लेडर नियुक्त किया गया। इसके अगले वर्ष वे एडिशनल पब्लिक प्रॉसीक्यूटर बने। 2007 तक उन्होंने इन जिम्मेदारियों को

निभाया। इसके बाद 2008 में वे सेंट्रल एक्साइज एंड कस्टम्स विभाग के स्टैंडिंग काउंसिलर नियुक्त हुए। कानून के क्षेत्र में लंबे अनुभव के बाद अप्रैल 2016 को उन्हें गुजरात हाईकोर्ट का अतिरिक्त न्यायाधीश बनाया गया। 15 मार्च 2018 को वे स्थायी न्यायाधीश बने। गुजरात हाईकोर्ट में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने सिविल सर्विस, राजस्व कानून, अप्रत्यक्ष कराधान और अवमानना सहित कई महत्वपूर्ण विषयों से जुड़े मामलों की सुनवाई की।

जस्टिस कोगजे के करियर का एक महत्वपूर्ण अध्याय 2002 के गोधरा कांड के बाद हुए दंगा मामलों से भी जुड़ा रहा है। सुप्रीम

कोर्ट की ओर से गठित विशेष जांच दल (SIT) ने जून 2011 को उन्हें इन मामलों से जुड़े संवेदनशील प्रकरणों और अपीलों के लिए विशेष लोक अभियोजक नियुक्त किया था। इस भूमिका में उन्होंने गोधरा कांड के बाद हुई हिंसा से जुड़े कई महत्वपूर्ण आपराधिक और अपीलीय मामलों में पैरवी की। यही अनुभव उनके कानूनी करियर के महत्वपूर्ण हिस्सों में शामिल रहा।

जस्टिस कोगजे के करियर में एक और महत्वपूर्ण घटनाक्रम वर्ष 2023 का है। अगस्त 2023 को सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने उन्हें बेहतर न्यायिक प्रशासन के लिए गुजरात हाईकोर्ट से इलाहाबाद हाईकोर्ट स्थानांतरित करने की सिफारिश की थी। हालांकि इस स्थानांतरण की अधिसूचना जारी नहीं होने के कारण वे गुजरात हाईकोर्ट में ही बने रहे और वहां वरिष्ठ न्यायाधीशों में शामिल रहे। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 31 अगस्त 2026 को उन्हें सीधे मध्यप्रदेश हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाए जाने की सिफारिश की। केंद्र सरकार की मंजूरी के बाद 10 सितंबर को उन्होंने पद की शपथ ले ली।

इराक में धड़केगा विकास का दिल, ब्रेन डेड के बाद किडनी, लिवर और हृदय किया डोनेट

भोपाल से चेन्नई तक बना ग्रीन कॉरिडोर



डिटिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश की राजधानी स्थित एम्स में इलाजगत विकास को ब्रेन डेड घोषित किया गया था। इसके बाद परिजनों ने अंगदान करने की सहमति प्रदान की। लिवर, दोनों किडनी और दिल दान किया गया है। उनके अंगों से चार लोगों को नई जिंदगी मिली है। विकास का दिल इराक के एक व्यक्ति के सीने में धड़केगा, वह चेन्नई के अस्पताल में भर्ती है।

दरअसल, भोपाल के रहने वाले 53 वर्षीय विकास चौधरी ब्रेन हैमरेज के बाद एम्स में भर्ती हुए थे। चार सितंबर को उनका ब्रेन हैमरेज हुआ था। एम्स में भर्ती होने के बाद उनमें कोई सुधार नहीं हुआ। इसके बाद आठ सितंबर को उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया है। ब्रेन डेड घोषित होना उनके परिवार के लिए किसी सदमे से कम नहीं था। दुख की इस घड़ी में भी उनके परिवार के लोगों ने बड़ा साहस दिखाया है। इस मौके

पर बेटे मासूम चौधरी, भाई राजेश चौधरी समेत अन्य परिजनों ने उनके अंगदान की सहमति दी। परिवार की सहमति के बाद उनके अंग निकालने की प्रक्रिया 10 सितंबर को शुरू की गई। उनका हार्ट, लिवर और दोनों किडनी दान किया गया है। इससे चार लोगों को नई जिंदगी मिली है। हार्ट को चेन्नई, लिवर को इंदौर और दोनों किडनी भोपाल के एक अस्पताल में भेजा गया। बीते दिनों सरकार ने निर्णय लिया था कि अंगदान करने वालों को गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा। विकास चौधरी के शव को जब परिजनों को सौंपा जा रहा था तो भोपाल एम्स परिसर में उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया है। गौरतलब है कि विकास चौधरी का दिल भोपाल से चेन्नई एयर लिफ्ट करके भेजा गया। चेन्नई स्थित एमजीएम अस्पताल में एक इराक का मरीज भर्ती है। नोटो की व्यवस्था के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर पर वेंटिलेटर में उसी मरीज का नाम शामिल था। इसकी वजह से उसे विकास का हार्ट अलॉट किया गया है।

'हनुमान अंश' देखने सिनेमा हॉल पहुंचे CM मोहन यादव

नीम करौली बाबा की भक्ति पर कही बड़ी बात

डिटिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। एमपी के सीएम मोहन यादव गुरुवार को मुखर्जी नगर, कोलार स्थित सिनेमा हॉल पहुंचे, जहां उन्होंने 'हनुमान अंश' फिल्म देखी। फिल्म में परम हनुमान भक्त बाबा नीम करौली की आध्यात्मिक यात्रा, सहज साधना और भगवान हनुमान के प्रति उनकी अनन्य भक्ति को केंद्र में रखा गया है।

फिल्म देखने के बाद मुख्यमंत्री ने इसकी प्रस्तुति की सराहना की। उन्होंने कहा कि बाबा नीम करौली का जीवन भक्ति, समर्पण और ईश्वर के प्रति अटूट विश्वास की प्रेरणा देता है। बता दें कि शुक्रवार 11 सितंबर को बाबा नीम करौली की पुण्यतिथि है।

नीम करौली बाबा की भक्ति को पर्दे पर उतारा

'हनुमान अंश' में बाबा नीम करौली के आध्यात्मिक जीवन और उनकी हनुमान भक्ति को भावपूर्ण तरीके से प्रस्तुत किया गया है। फिल्म में उनकी सहज साधना और ईश्वर के प्रति समर्पण को दर्शाने का प्रयास किया गया



है। सीएम ने कहा कि फिल्म भक्ति और अध्यात्म की उस अनुभूति को पर्दे पर साकार करने का सुंदर प्रयास है, जो दर्शकों को अंतर्मन तक स्पर्श करती है।

कलाकारों और टीम को दी बधाई

सीएम मोहन यादव ने फिल्म से जुड़े सभी कलाकारों और पूरी निर्माण टीम को सार्थक अभिनय एवं प्रस्तुति के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि बाबा नीम करौली का जीवन लोगों को भक्ति और विश्वास के रास्ते पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

सीएम के साथ ये नेता भी पहुंचे

फिल्म देखने के दौरान सीएम मोहन यादव के साथ भाजपा के वरिष्ठ नेता रामेश्वर शर्मा, भोपाल भाजपा जिलाध्यक्ष रविन्द्र यादव, भोपाल महापौर मालती राय और वेयरहाउस कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष संजय नगाडच सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। सीएम के साथ विधायक रामेश्वर शर्मा और रविन्द्र यादव, मालती राय और संजय नगाडच मौजूद रहे। फिल्म की टीम को सीएम ने शुभकामनाएं दीं।

पानी के गड्ढे में गिरे दो भाई, मौत

डिटिव ग्रुप रिपोर्ट

सागर, एजेंसी। कैट थाना क्षेत्र के ग्राम भैंसा के पास गुरुवार शाम पानी से भरे गड्ढे में गिरने से दो सगे भाइयों की मौत हो गई। घटना देख आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और दोनों बच्चों को बाहर निकालने की मशक्कत शुरू की गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों बच्चों को पानी से बाहर निकाला गया। उन्हें तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां चेकअप के बाद दोनों भाइयों को मृत घोषित कर दिया गया है। प्राथमिक जांच में मृतकों की पहचान कार्तिक पिता भागीरथ बंसल उम्र 8 साल निवासी रेलवे ब्रिज के पास भगवानगंज और उसका छोटा भाई मक्कू बंसल उम्र 3 साल के रूप में हुआ है।

डाइवोर्स जैसे बड़े फैसले से पहले ज़रूरी है ठीक से जांच पड़ताल

We are ready for help, Anytime! Anywhere!



आज ही अपनी जानकारी सबमिट करे
www.detectivegroup.in पर
Whatsapp us on +91-91110 50101

संपादकीय

भारत की शिक्षा
व्यवस्था — आकांक्षाओं
और यथार्थ के बीच
का संतुलन

भारत की शिक्षा व्यवस्था आज एक ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी है। एक तरफ जहां 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' (NEP) के माध्यम से देश को 21वीं सदी की ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था बनाने का खाका तैयार किया गया है, वहीं दूसरी तरफ जमीनी स्तर पर शिक्षा की गुणवत्ता, पहुँच और संसाधनों से जुड़ी चुनौतियाँ आज भी हमारे सामने मुंह बाए खड़ी हैं। भारत विश्व की सबसे युवा आबादी वाला देश है, लेकिन इस 'जनसांख्यिकी लाभ' (Demographic Dividend) को वास्तविक आर्थिक और सामाजिक शक्ति में बदलने का दारोमदार इस बात पर निर्भर करता है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था कितनी प्रारंभिक और समावेशी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने पारंपरिक 10+2 के ढाँचे को बदलकर 5+3+3+4 की व्यवस्था लागू की, जिसका मुख्य उद्देश्य प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल (ECCE) को स्कूली शिक्षा के मुख्यधारा से जोड़ना है। मातृभाषा में प्राथमिक शिक्षा देने, रटने की प्रवृत्ति को समाप्त करने और छठी कक्षा से ही व्यावसायिक कौशल (Vocational Training) शुरू करने जैसे कदम निस्संदेह सराहनीय हैं। इसके साथ ही 'दीक्षा' (DIKSHA) और 'पीएम ई-विद्या' जैसे डिजिटल पहलों ने शिक्षण सामग्री तक पहुँच को आसान बनाया है। बुनियादी सीखने का संकट (Learning Crisis): 'प्रथम' संस्था की एसर (ASER) रिपोर्टों से लगातार यह उजागर होता रहा है कि प्राथमिक कक्षाओं के कई बच्चे अपनी कक्षा के स्तर के अनुसार पढ़ने या बुनियादी गणित हल करने में असमर्थ हैं। यह दर्शाता है कि हमारी व्यवस्था का ध्यान नामांकन दर (Enrollment) बढ़ाने पर तो रहा, लेकिन सीखने के परिणामों (Learning Outcomes) पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। शिक्षकों का अभाव और प्रशिक्षण की कमी: देश के विभिन्न राज्यों में लाखों शिक्षकों के पद खाली पड़े हैं। अस्थायी या अनुबंध के आधार पर शिक्षकों की नियुक्ति से शिक्षण की गुणवत्ता प्रभावित होती है। इसके अलावा, बदलते दौर के अनुसार शिक्षकों के निरंतर प्रशिक्षण की व्यवस्था भी अपर्याप्त है। वितीय संसाधनों का सीमित आवंटन: NEP 2020 में शिक्षा पर जीडीपी का 6% खर्च करने का लक्ष्य रखा गया है, लेकिन वर्तमान में यह आंकड़ा लगभग 3% के आसपास ही सिमटा हुआ है। संसाधनों की कमी के कारण सरकारी स्कूलों में बुनियादी ढाँचे, प्रयोगशालाओं और पुस्तकालयों का अभाव बना रहता है। डिजिटल और क्षेत्रीय असमानता: कोरोना महामारी के बाद से डिजिटल शिक्षा पर जोर तो बढ़ा, लेकिन ग्रामीण और वंचित वर्गों के पास इंटरनेट व डिजिटल उपकरणों की पहुँच न होने के कारण 'डिजिटल डिवाइड' और गहरा हो गया। सार्वजनिक बजट में वृद्धि: केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर शिक्षा बजट को जीडीपी के 6% तक पहुँचाना होगा, ताकि सरकारी शिक्षण संस्थानों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित किया जा सके।

महिला जगत

बेसन या मुल्तानी मिट्टी,
क्या लगाने से आता है
चेहरे पर निखार?

जानें अपने लिए बेस्ट



बेसन और मुल्तानी मिट्टी दोनों ही नेचुरल स्किनकेयर में काफी पॉपुलर हैं। लोग इन्हें तरह तरह की रेमेडीज में इस्तेमाल करते हैं। सवाल है कि इन दोनों में से ज्यादा फायदेमंद कौन है? आइए जानते हैं आपके लिए बेस्ट क्या रहेगा।

बेसन vs मुल्तानी मिट्टी

स्किन को ग्लोइंग और बेदाग बनाए रखने के लिए लोग तरह-तरह की होम रेमेडीज ट्राई करते हैं। इनमें से सबसे ज्यादा पॉपुलर हैं बेसन और मुल्तानी मिट्टी, जिन्हें घरेलू फेसपैक की तरह इस्तेमाल किया जाता है। लोग इन्हें दही, दूध, चंदन पाउडर और गुलाबजल जैसी चीजों के साथ मिक्स कर के फेस पर अप्लाई करते हैं। हालाँकि अक्सर एक सवाल सुनने को मिलता है कि बेसन और मुल्तानी मिट्टी, दोनों में से क्या ज्यादा फायदेमंद है? अगर स्किन को ग्लोइंग, बेदाग और हेल्दी रखना हो तो इन दोनों में से किस चीज से बनी फेसपैक ज्यादा फायदा करेगी? अगर आप भी इसे ही ले कर कन्फ्यूज्ड हैं तो चलिए आज जानते हैं कि आपके लिए इन दोनों में से क्या चुनना बेटर रहेगा।

चेहरे के लिए क्यों फायदेमंद होता है बेसन लगाना?

बेसन का इस्तेमाल दादी-नानी के घरेलू फेसपैक और नुस्खों में सदियों से किया जा रहा है। इसे चने की दाल को पीसकर बनाया जाता है, जिस वजह से ये हल्के एक्सफोलिएशन में मदद करता है। यानी चेहरे पर जमा हुई धूल मिट्टी, डेड स्किन और यहां तक कि एक्स्ट्रा ऑयल को रिमूव करने में भी बेसन काफी इफेक्टिव है। साथ ही बेसन में हल्के ब्लॉचिंग गुण भी पाए जाते हैं, जिस वजह से ये दाग-धब्बों को हल्का करने और चेहरे की रंगत निखारने में भी मदद कर सकता है।

मुल्तानी मिट्टी लगाने से क्या होता है?

मुल्तानी मिट्टी भी सदियों से स्किनकेयर में इस्तेमाल होती रही है। इसकी सबसे बड़ी खासियत है कि ये स्किन को गहराई से साफ करने में मदद करती है। खासकर जिन लोगों की स्किन पर ज्यादा तेल आता है और ओपन पोर्स की समस्या है, उनके लिए मुल्तानी मिट्टी काफी अच्छी मानी जाती है। ये स्किन को टैंडक देने का भी काम करती है, साथ ही डेड स्किन को रिमूव करने में भी मदद करती है।

आपकी स्किन के लिए ज्यादा फायदेमंद क्या है?

बेसन और मुल्तानी मिट्टी, दोनों ही स्किन के

लिए फायदेमंद हैं। लेकिन आपके लिए कौन सा ज्यादा बेहतर है ये आपके स्किन टाइप पर निर्भर करता है। उदाहरण के लिए अगर आपका चेहरा काफी ऑयली है और एक्ने-पिम्पल्स की समस्या बनी रहती है, तो आपको मुल्तानी मिट्टी से बनी फेसपैक ट्राई करनी चाहिए। वहीं अगर आपकी स्किन नॉर्मल या ड्राई है तो बेसन ज्यादा इफेक्टिव हो सकता है।

सेंसेटिव स्किन पर दोनों से बरतें सावधानी

अगर आपकी स्किन सेंसेटिव है तो बेसन और मुल्तानी मिट्टी दोनों ही पैच टेस्ट करने के बाद इस्तेमाल करने चाहिए। चूंकि ये दोनों की स्किन को माइल्ड एक्सफोलिएट करने का काम करते हैं, इसलिए सेंसेटिव स्किन पर रेडनेस, खुजली या इरीटेशन की समस्या हो सकती है।

चेहरे पर लगाते हुए इन बातों का ध्यान रखें

- हमेशा साफ चेहरे पर फेसपैक अप्लाई करें। पहली बार लगा रहे हैं तो पैच टेस्ट जरूर कर लें और कम मात्रा में लगाएं।
- फेसपैक को ज्यादा देर सूखने न दें। सिर्फ 10-15 मिनट काफी रहते हैं।
- बेसन या मुल्तानी मिट्टी से चेहरे को जोर से ना रगड़ें।
- पैक हटाने के बाद चेहरे पर मॉइश्चराइजर जरूर लगाएं।

New Delhi

Bihar

काँकरोचों पर FIR का आदेश सिर्फ हम दे सकते हैं, कोई और नहीं; सुप्रीम कोर्ट ने खींची लक्ष्मण रेखा

नई दिल्ली, (एजेंसी) काँकरोच जनता पार्टी (CJP) के बैनर तले दिल्ली में हुए विरोध प्रदर्शनों से जुड़े मामलों पर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को बेहद अहम टिप्पणी की। कोर्ट ने साफ कहा कि इन प्रदर्शनों से जुड़े किसी भी व्यक्ति के खिलाफ FIR दर्ज करने का अधिकार केवल सुप्रीम कोर्ट के पास है। दरअसल कोर्ट ने इस मामले की जांच के लिए पांच सदस्यीय हाई-पावर्ड एनक्वायरी कमेटी (HPEC) बनाई है। अब शीर्ष अदालत ने इस कमेटी के अधिकारों को लेकर स्थिति स्पष्ट कर दी। कोर्ट ने कहा कि समिति आरोपों की जांच कर सकती है, पीड़ितों की पहचान कर सकती है और अपनी सिफारिशें दे सकती है, लेकिन किसी आपराधिक



जांच के लिए FIR दर्ज कराने का आदेश देने का अधिकार सिर्फ सुप्रीम कोर्ट के पास है। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता

वाली तीन सदस्यीय पीठ ने कहा कि समिति को सीधे अदालत की निगरानी में काम करना होगा। पीठ में जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना भी शामिल हैं। कोर्ट ने कहा कि समिति को अपनी कार्यवाही के दौरान सामने आने वाली समस्याओं पर काम करना होगा और जरूरत पड़ने पर सुप्रीम कोर्ट उन्हें दूर करेगा। समिति सुप्रीम कोर्ट के समक्ष अपनी सहायता के लिए अभिकस या वकील भी नियुक्त कर सकती है।

सुप्रीम कोर्ट ने समिति को अपनी कार्यवाही के लिए व्यापक स्तर पर जानकारी सार्वजनिक करने की अनुमति दी है। साथ ही वह लोगों से सुझाव और आपत्तियां भी मांग सकती है।

भारत ने बना लिए 30 नए परमाणु हथियार, बढ़ा रहा अपना न्यूक्लियर शील्ड!



नई दिल्ली, (एजेंसी) अमेरिका की फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स यानी FAS ने हाल ही में भारत के परमाणु हथियारों को लेकर अपना ताजा अनुमान जारी किया है। इस रिपोर्ट के अनुसार भारत के पास करीब 190 असेंबल किए गए परमाणु हथियार हैं। इनमें से 160 से ज्यादा हथियार ऐसे डिलीवरी सिस्टम से जुड़े हैं जो अभी एक्टिव हैं।

FAS जैसे संगठनों के अनुमान अक्सर वैश्विक स्तर पर चर्चा का विषय बनते हैं क्योंकि परमाणु शक्ति वाले देश अपने भंडार की सटीक संख्या सार्वजनिक रूप से नहीं बताते। भारत भी इसी परंपरा का पालन करता है। आधिकारिक तौर पर अपनी संख्या की पुष्टि नहीं करता।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत ने जितने लॉन्चर अभी तैयार रखे हैं, उससे ज्यादा हथियार बना लिए हैं। कुल भंडार करीब 190 हथियारों का है जबकि लॉन्चरों से जुड़े हथियार करीब 160 हैं। बाकी अतिरिक्त हथियार उन मिसाइलों के लिए बनाए गए हैं जो अभी उत्पादन या विकास के चरण में हैं। इनमें अग्नि-प्राइम और लंबी दूरी वाली के-4 जैसी मिसाइलें शामिल हैं। विशेषज्ञों के अनुसार यह कोई अव्यवस्था का संकेत नहीं बल्कि परमाणु रणनीति का सामान्य तरीका है। हथियारों का उत्पादन अक्सर डिलीवरी सिस्टम के सेवा में आने से पहले ही आगे चलता रहता है ताकि जब नए सिस्टम तैयार हों तो हथियार तुरंत उपलब्ध रहें।

Jammu & Kashmir

कश्मीरी पंडितों को व्हाइट कॉलर आतंकी बताकर हत्या की धमकी, यूएलसी का 40 दिन में छठा पत्र

श्रीनगर, (एजेंसी) जम्मू-कश्मीर में प्रधानमंत्री पुनर्वास पैकेज के तहत कार्यरत कश्मीरी पंडित कर्मचारियों की सुरक्षा पर एक बार फिर गंभीर सवाल उठे हैं। आतंकी संगठन यूनाइटेड लिबरेशन कार्डसिल (यूएलसी) ने बृहस्पतिवार को धमकी भरा पत्र जारी किया है। पिछले 40 दिनों के भीतर इस आतंकी गुट की यह छठी धमकी है। इस बार आतंकियों ने पत्र पर एफ-47 के ग्राफिक के साथ प्रदर्शनकारी कर्मचारियों की तस्वीरें भी प्रकाशित की हैं। सभी को व्हाइट कॉलर आतंकी और गृह मंत्रालय समर्थित प्रदर्शनकारी बताया है। कश्मीरी पंडितों के ट्रांजिट कैंपों की तुलना इजराइली मॉडल की बस्तियों से करते हुए चेतावनी दी है कि तुम्हें गृह मंत्रालय भी नहीं बचा जाएगा।

धमकी भरे पत्र पर सोलजर ऑफ रोजिस्ट्रेंस के मीडिया कॉर्डिनेटर अहमद बिलाल का हस्ताक्षर है। पत्र में आतंकी संगठन ने दावा किया है कि उसके पास कर्मचारियों की लाइव लोकेशन, फोन नंबर, घर के पते, परिवार की पूरी जानकारी और दैनिक गतिविधियों का ब्योरा है। जब चाहें हमला कर सकते हैं।

Uttarpradesh

13 साल की दुल्हन, 20 का दूल्हा... मंदिर में हो रही थी शादी, तभी पहुंच गई पुलिस, रुकवाया बाल विवाह

मेरठ, (एजेंसी) मेरठ में एक मंदिर में शादी की तैयारियां चल रही थीं। रस्में हो रही थीं, लड़की और लड़के पक्ष के लोग भी वहां मौजूद थे। दूल्हा भी पहुंच चुका था। लेकिन तभी एक फोन कॉल ने पूरी शादी की तस्वीर बदल दी। सूचना पुलिस तक पहुंची कि जिस लड़की की शादी कराई जा रही है, वह नाबालिग है। बताया गया कि उसकी उम्र महज 13 साल है। इसके बाद पुलिस पहुंची। और पुलिस को देखते ही शादी का माहौल बदल गया। दूल्हा भाग गया। उसके साथ कई परिजन भी निकल लिए। लड़की पक्ष के लोग भी मौके से फरार हो गए। मंदिर में रह गईं तो सिर्फ 13 साल की किशोरी और उसकी मां। पूरा मामला मेरठ के मेडिकल थाना क्षेत्र के



शेरगढ़ी इलाके का है। पुलिस को डायल-112 के जरिए सूचना मिली कि इलाके के एक मंदिर में नाबालिग किशोरी की शादी कराई जा रही है। मामला गंभीर था, पुलिस टीम तुरंत मंदिर पहुंची। पुलिस के मुताबिक, जब पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे तो वहां शादी की रस्में चल रही थीं।



खेल



बांग्लादेश को हराकर भारतीय टीम फाइनल में

शोफाली वर्मा-दीप्ति शर्मा का जबरदस्त खेल

दुबई, (एजेंसी) विमेंस एशिया कप 2026 के सेमीफाइनल नंबर-1 में भारत और बांग्लादेश की टक्कर हुई। गुरुवार (11 सितंबर) को दुबई के दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित इस मुकाबले में भारतीय टीम ने 40 रनों से जीत हासिल की। मुकाबले में बांग्लादेश को जीत के लिए 150 रनों का टारगेट मिला था, लेकिन वो 7 विकेट पर 109 रन ही बना सकी।

इस जीत के साथ भारतीय टीम फाइनल में पहुंच गई है। विमेंस एशिया कप का ये दसवां संस्करण है और इन सभी में भारतीय टीम ने फाइनल का सफर तय किया। इस बार फाइनल में भारत का सामना 13 सितंबर को श्रीलंका या पाकिस्तान से होगा। श्रीलंका और पाकिस्तान के बीच दूसरा सेमीफाइनल 11 सितंबर को होना है।

रनचेज में बांग्लादेशी टीम कर्नाई लय में नहीं दिखी। शोना अख्तर ने सबसे ज्यादा



नाबाद 22 रन बनाए। वहीं दिलारा आख्तर (21 रन), निगार सुल्ताना (19 रन), सोभना मोस्तारी (18 रन), जूएरिया फिरदौसी (14 रन) और फाहिमा खातून (14 रन) भी दोहरे अंकों तक पहुंचने में सफल रहीं। स्पिनर दीप्ति शर्मा ने भारत के लिए तीन सफलताएं हासिल कीं। वहीं नंदनी शर्मा ने 2 विकेट झटके। श्री चरणी और प्रेमा रावत को एक-एक कामयाबी हासिल हुई।

शोफाली ने बल्ले से काटा गदर- मुकाबले में टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवर्स में 6 विकेट पर 149 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज शोफाली वर्मा ने 40 गेंदों पर 64 रनों की पारी खेली, जिसमें सात चौके और तीन छक्के शामिल रहे। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 2 छक्के की मदद से नाबाद 24 रनों का योगदान दिया, लेकिन इसके लिए उन्होंने 28

गेंदें खेलीं। ऋचा घोष (21 रन), प्रतीका रावल (20 रन) और दीप्ति शर्मा (13 रन) ने भी बल्ले से उपयोगी योगदान दिया। ओपनर स्मृति मंधाना (2 रन) और भारती फुलमाली (0 रन) कुछ खास नहीं कर सकीं। बांग्लादेश की ओर से ऑफ स्पिनर सुल्ताना खातून ने दो विकेट चटकाए। माफ्फा अख्तर, नाहिदा अख्तर और राबेया खान को भी एक-एक सफलता हाथ लगी।



सिनेमा



माधवन बोले- उन परिवारों संग रहा जो गुजारे के लिए गौ हत्या करते थे, यह धर्म है, लड़कों के साथ बिना कपड़े नहाया



आर. माधवन 1990 के दशक की शुरुआत से ही एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में हैं, लेकिन एक्टिंग शुरू करने से पहले उन्हें एक्सचेंज स्टूडेंट के तौर पर कनाडा में रहने का मौका मिला था। एक पुराने इंटरव्यू में माधवन ने बताया था कि कनाडा में रहने के दौरान उन्हें तब बड़ा झटका लगा जब वे ऐसे परिवारों के साथ रहे जो 'जीविका के लिए गायाँ को काटते थे,' जबकि वे खुद पूरी तरह शाकाहारी थे। 2023 में इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस के YouTube चैनल पर हुई एक बातचीत में, उन्होंने उस अनुभव को 'मेरे शुरुआती सालों के लिए बहुत जरूरी' बताया और कनाडा के स्ट्रेटरल में बिताए समय को याद किया। उन्होंने कहा, 'मुझे रोटी की तरफ से एक्सचेंज स्टूडेंट बनने का मौका मिला और मैं एक्सचेंज स्टूडेंट के तौर पर कनाडा गया। मैं स्ट्रेटरल नाम की जगह पर गया, जो 'वाइल्ड, वाइल्ड वेस्ट' जैसा था। वह काउन्सिल का इलाका है। मैं काउन्सिल के साथ रहा। मैं पूरी तरह शाकाहारी हूँ, लेकिन मैं ऐसे परिवारों के साथ रहा जो गुजारे के लिए गायाँ को मारते थे, इसलिए मेरे लिए वह सब 'अधर्म' था।' इसके बाद माधवन ने उस सबसे बड़े अन्याय को याद किया, जिसका सामना उन्होंने स्ट्रेटरल में अपने लोकल स्कूल की बास्केटबॉल टीम में रहते हुए किया था।

Highlights

1. What is the theme of BRICS Summit being hosted in Delhi?
2. India may have produced enough plutonium for up to 225 nuclear warheads: US' FAS
3. Govt cuts VIP convoys for BRICS Summit, Union Ministers & CMs to travel in one bus
4. Is this badlav: BJP as it claims AAP attacked its Punjab delegation
5. 'Entire Mumbai is full of filth,' says Bombay HC, warns of action against BMC officials

iPhone Duo price reality check: Duties, GST and what the numbers really mean

NEW DEH, (Agency). There are a few certainties. Death. Taxes. And people comparing the iPhone pricing between the US and India markets. Quite often, pre-tax US pricing, with the final pricing in India, including applicable taxes. The price tags in question at this time are the Apple iPhone Duo (₹2,99,900 in India versus \$1,999 onwards in the US), the iPhone 18 Pro (₹1,64,900 onwards in India versus \$1199 onwards in the US), and to an extent, the new price tags of the iPhone 17 in India.

It is important to contextualise data beyond the noise. First and foremost, the \$1999 onwards pricing of the iPhone Duo in the US, as well as the \$1199 for the iPhone 18 Pro in the US, are pre-tax prices. There is a local final state tax



component, as well as further taxation components across different states (such as the California recycling tax). For instance, a \$929 iPhone 17 (256GB) in the US works out to \$1040.49 in the state of California. At a conversion rate of ₹95.59 to a \$, this works out to ₹99,434.68 as the final purchase price. The same spec iPhone 17 is priced at ₹99,900 in India.

Over to the iPhone Duo's \$1999 price versus the ₹2,99,900 price tag in India for the 256GB version. At today's exchange rate, the \$1,999 iPhone Duo 256GB costs about ₹1,90,000 (direct conversion) before US sales tax. Many assume that should be the relative pricing in India as well. However, there is the certainty of taxes, that they forget.

Need Evidence for your CASE?

Leave it to us,
we have expertise
in finding shreds of
evidence

मुखबिर सूचना पर आबकारी विभाग की कार्रवाई

बंद मकान से करीब 5.50 लाख रुपये कीमत की 792 बल्क लीटर अवैध मदिरा बरामद

● **डिटिव ग्रुप रिपोर्ट**

इंदौर। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार जिले में अवैध मदिरा के विक्रय, परिवहन एवं संग्रहण के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी के निर्देशन में 10 सितम्बर गुरुवार को मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर आबकारी विभाग की टीम द्वारा ग्राम बसंदरा वृत्त सांवेर में एक मकान की तलाशी ली। कार्रवाई



के दौरान मौके से कुल 792 बल्क

लीटर अवैध मदिरा बरामद की

गई। बरामद मदिरा की अनुमानित बाजार कीमत लगभग 5.50 लाख रुपये है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बरामद मदिरा मध्यप्रदेश में बिक्री के लिए रखी गई थी। उक्त कार्रवाई सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री धर्मेन्द्र जोशी, श्री पवन टीकेकर एवं श्रीमती निधि शर्मा के नेतृत्व में आबकारी उपनिरीक्षक श्रीमती जया मुजाल्दे एवं श्री जयेश वास्केल तथा आबकारी अमले द्वारा की गई।

स्वाइन फ्लू से डॉक्टर की पत्नी की मौत

● **डिटिव ग्रुप रिपोर्ट**

इंदौर। एक प्राइवेट हॉस्पिटल में एच।एन।1 (स्वाइन फ्लू) पॉजिटिव महिला की इंदौर में मौत हो गई। महिला शाजापुर की है जो करीब 10 दिन पहले से एडमिट थी। इलाज के दौरान उसने गुरुवार को दम तोड़ दिया। वह एक सरकारी डॉक्टर की पत्नी थी। नजदीकी लोगों के मुताबिक महिला में 28 अगस्त से बुखार, खांसी और सर्दी के लक्षण शुरू हुए थे। महिला की एच।एन।1 जांच 1 सितंबर को पॉजिटिव आई। इसके बाद उन्हें इंदौर में इलाज के लिए एडमिट कराया गया। वहीं, 2 सितंबर की रिपोर्ट में इन्फ्लुएंजा के साथ कोविड-19 भी पॉजिटिव पाए जाने की जानकारी दी गई है। मामले की जानकारी स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों तक भी पहुंचाई गई है। इसके पूर्व उज्जैन के ऋषि नगर निवासी 60 वर्षीय सरोज नागर की करीब दो हफ्ते पहले इंदौर के कोकिलाबेन अस्पताल में स्वाइन फ्लू से मौत हो गई थी।

रक्षाबंधन पर 10 ग्राम कम मिठाई देने वाले फर्म पर विभाग ने 5 हजार रुपए का लगाया था जुर्माना

नापतौल विभाग द्वारा 100 रुपए से 50 लाख रुपए तक लगा सकता है जुर्माना- नापतौल विभाग



● खाद्य पदार्थों की पैकिंग वजन का सत्यापन और सिंहस्थ की रूपरेखा तैयार करने के विभाग को संभागायुक्त के निर्देश

● **डिटिव ग्रुप रिपोर्ट**

इंदौर। संभागायुक्त श्री भारकर लाक्षाकार ने नापतौल विभाग के कार्यों और अब तक की गई कार्यवाहियों की समीक्षा की। विभाग द्वारा बताया गया कि अप्रैल माह से अब तक 175 प्रकरण बनाए गए हैं। इसमें रक्षाबंधन एवं अन्य त्योहारों के दौरान विभाग द्वारा तत्परता से कार्य किया गया। विभाग द्वारा निर्धारित मात्रा से कम गैस सप्लाई करने पर कार्यवाही की गई। ऑनलाइन शॉपिंग व्यापार के बिग बास्केट द्वारा एमआरपी से अधिक चार्ज करने पर 15 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है। इसी तरह रक्षाबंधन के दौरान अधिकांश प्रकरण सामने आए हैं। इसमें 10 ग्राम मिठाई कम देने पर फर्म पर 5 हजार का जुर्माना लगाया गया। इसी तरह ऑटोमोबाइल पार्ट्स पर अधिक चार्ज करने के मामले में 25 हजार का जुर्माना लगाया गया। बैठक में उपनिर्यंत्रक श्री संजय पाटणकर, नापतौल निरीक्षक श्री खेमराज चौधरी, श्री कपिल कदम सहित

श्री के. एस. ठाकुर, श्री शरद शर्मा एवं एम.एम. राजपूत उपस्थित रहे। बैठक में संभागायुक्त श्री लाक्षाकार ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि आगामी सिंहस्थ के महेनजर एक व्यवस्थित विभागीय रूपरेखा तैयार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ के पूरे विस्तार को समझें और उसके उपरांत ही योजना तैयार करें। इसके अलावा उन्होंने शॉपिंग मॉल्स में खाद्य पदार्थों के बिकने वाली वस्तुओं की पैकिंग का सत्यापन प्राथमिकता के साथ किया जाए। उन्होंने कहा कि नापतौल विभाग द्वारा पहली बार में नोटिस और सुधार के लिए समय दिया जाता है। इसके बाद 1 लाख रुपए तक का जुर्माना। श्रद्धालुओं के साथ इस तरह से धोखा नहीं हो। ऐसे स्पॉट चिन्हकित करें जहां अस्थायी दुकानें लगने की गुंजाइश है।

बैठक में नापतौल विभाग के विभागीय अधिकारियों द्वारा बताया गया कि नए नियम के बाद विभाग 100 रुपये से 50 लाख रुपये तक जुर्माना लगाया जा सकता है। साथ ही सीजेएम कोर्ट में प्रकरण एडोपीओ की तरफ से लगाये जाते हैं। ऐसे प्रकरण राजीनामे के 6 माह बाद न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए जाते हैं। जांच के दौरान लिये गए नमूनों की लैब में जांच की जाती है। एमआरपी से अधिक के मामलों की पड़ताल की जाती है। नापतौल विभाग द्वारा 12 माह में इलेक्ट्रॉनिक विंग मशीन (ईडब्ल्यूएम) और 24 माह में बाट की जांच करते हैं।

यह केस हमें याद दिलाता है:

Every allegation needs evidence.
Every evidence needs examination

WHEN
EVIDENCE SPEAKS,
THE TRUTH GETS HEARD.

PROFESSIONAL INVESTIGATION • FACT FINDING • EVIDENCE THAT MATTERS

Electronic Evidence Collection | Surveillance & Fact Finding | Document & Transcript Analysis | Court Admissible Support

जब इलेक्ट्रॉनिक सबूतों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता...



एक वैवाहिक विवाद में पति ने न्यायालय के समक्ष पत्नी के कथित अन्य पुरुषों से अवैध संबंध होने के आरोप लगाए।

अपने आरोपों के समर्थन में पति ने CD, Transcript और अन्य Electronic Evidence प्रस्तुत किए।

मामला मध्यप्रदेश हाईकोर्ट पहुँचा, जहाँ कोर्ट ने फैमिली कोर्ट के आदेश को निरस्त करते हुए यह महत्वपूर्ण बात कही कि प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों की विधिवत जांच आवश्यक है और कथित अवैध संबंधों से जुड़े प्रस्तुत साक्ष्यों को केवल इस आधार पर नज़रअंदाज नहीं किया जा सकता।



Investigation का उद्देश्य केवल आरोप लगाना नहीं—बल्कि उपलब्ध तथ्यों और साक्ष्यों को सामने लाना है।

“proper investigation can help uncover evidence that may become relevant in legal proceedings”



पूर्ण गोपनीयता | पूर्ण विश्वसनीयता



www.detectivegroup.in



www.detectivesgroup.com